

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	भाद्र 14, मंगलवार, शके 1945-सितम्बर 05, 2023 <i>Bhadra 14, Tuesday, Saka 1945- September 05, 2023</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, जुलाई 25, 2023

संख्या प. 2(21)वन/2023 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलेमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11(1) 12,13,14,17,18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त - वनभूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष जो संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित हैं और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न:- प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन

शासन सचिव, वन

प्रथम अनुसूची										
क्र. सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा			विवरण			
				दिशा	भूमि	खसरा नं.	नाम ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल (बीघा में)	क्षेत्रफल (है० में)
1	रक्षित वनखण्ड कुण्डीबेह	मनोहरथा ना	झालावाड़,	पूर्व	वन भूमि वनखण्ड घोड़ाखेडा	510	कुण्डीबेह	510	66 बीघा 15 बिस्वा	10.8051
				पश्चिम	राजस्व भूमि	523				
				उत्तर	राजस्व भूमि	504				
				दक्षिण	राजस्व भूमि	514, 515				
योग:-								1	66 बीघा 15 बिस्वा	10.8051

हस्ताक्षर

(राजेन्द्र कुमार मीणा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
मनोहरथाना झालावाड़

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार IFS)
उप वन संरक्षक,
झालावाड़

द्वितीय अनुसूची वनखण्ड बांसखेडा
पेड़ों की सूची

क्रम संख्या	वानस्पतिक नाम	हिंदी नाम
1	Nyctanthes arbortristis	रौंज
2	Azadirachta indica	नीम
3	Diospyros Melanoxylon roxb	तेन्दू
4	Prosopis cineraria	खैजड़ी
5	Holoptelea integrifolia	चुरेल
6	Vachellia nilotica	बबूल

हस्ताक्षर

(राजेन्द्र कुमार मीणा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
मनोहरथाना झालावाड़

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार IFS)
उप वन संरक्षक,
झालावाड़

कार्यालय उप वन संरक्षक, झालावाड़

प्रमाण-पत्र

जिला :- झालावाड़

तहसील :- मनोहरथाना

रेंज :- मनोहरथाना

रक्षित वनखण्ड :- कुण्डीबेह

ग्राम :- कुण्डीबेह

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का प्रत्यावर्तन प्रकरण परवन मध्यम सिंचाई परियोजना के विरुद्ध प्राप्त गैर वन भूमि है जिसका वन विभाग के नाम अमल दरामद की जा चुकी है। भूमि की किस्म गे. मु० जंगलात है।
2. वर्तमान राजस्व लेखा में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा वृक्षारोपण विकास कार्यों के कराये जाने की संभावना है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 है।
4. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न है जिसमें खसरा न. व रकबा दर्ज है। एवं जी.टी. शीट की छायाप्रति संलग्न है।
5. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक हैं। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
6. इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

हस्ताक्षर

(राजेन्द्र कुमार मीणा)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

मनोहरथाना झालावाड़

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार IFS)

उप वन संरक्षक,

झालावाड़

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।